



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

3 श्रावण 1933 (श0)
(सं0 पटना 355) पटना, सोमवार, 25 जुलाई 2011

श्रम संसाधन विभाग

अधिसूचनाएं

15 जुलाई 2011

एस0ओ0 169, दिनांक 25 जुलाई 2011—न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 (11, 1948) की धारा-3 की उप-धारा (1) के खंड (बी) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार-राज्यपाल, बिहार राज्य में निम्नांकित नियोजनों में नियोजित कुछेक कोटि के कर्मचारियों के लिए राज्य सरकार की विभिन्न अधिसूचनाओं में निर्धारित न्यूनतम मजदूरी की दरों का पुनरीक्षण करना चाहते हैं, उससे संबंधित प्रस्ताव का निम्नलिखित प्रारूप उक्त अधिनियम की धारा-5 की उप-धारा (1) के खंड (ख) की अपेक्षानुसार इसके द्वारा प्रभावित हो सकने वाले व्यक्तियों की जानकारी के लिए इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है और इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि बिहार गजट में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दो महीने के बाद उक्त प्रस्ताव पर विचार किया जायेगा।

दो महीने की उक्त अवधि की समाप्ति की तारीख को या उसके पहले इस प्रस्ताव के संबंध में किसी व्यक्ति से जो भी आपत्ति या सुझाव प्राप्त होगा उस पर राज्य सरकार विचार करेगी।

प्रस्ताव प्रारूप

अनुसूची

क्र0सं0 अनुसूचित नियोजनों का नाम

1. कॉ-ऑपरेटिव सेक्टर
2. अल्मुनियम उद्योग
3. खंडसारी उद्योग
4. केमिकल एंड फार्मास्यूटिकल उद्योग
5. साबुन निर्माण उद्योग
6. सिमेन्ट प्री-स्ट्रेटेड प्रोडक्ट्स उद्योग
7. एस्वेस्टस सिमेंट उद्योग
8. ग्लास शीट निर्माण
9. बन्दूक करखाने
10. धार्मिक एवं सामाजिक संस्थान
11. पेपर उद्योग
12. लौण्ड्रीज एंड वासिंग

13. होजियरी निर्माण
14. सिन्दुर एवं रंग बनाने का उद्योग
15. चर्म वस्तु निर्माण
16. उड वर्क्स फर्नीचर
17. आइस्क्रीम एवं कोल्ड ड्रिंक्स
18. पेट्रोल एवं डिजल पम्पस
19. फिशरीज
20. खादी एवं ग्राम उद्योग
21. प्राईवेट फेरीज एंड एल.टी.सी
22. जिल्दसाजी उद्योग—
23. दफ्ती, कार्ड बोर्ड, मील बोर्ड, कारगरेक बोर्ड, एक्स्ट्रा बोर्ड या गत्ता पेपर बोर्ड निर्माण
24. इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग
25. सिमेंट ह्यूम पाईप, बिजली का खंभा एवं रेलवे स्लीपर बनाने का उद्योग
26. प्लाईउड उद्योग
27. बिजली एवं अन्य प्रकार के बल्ब तथा फलोरेन्स ट्यूब निर्माण उद्योग
28. ढलाई (फाउन्ड्री) उद्योग
29. रबड़ एवं कम्पाउंड उद्योग
30. बिस्कुट उद्योग
31. कोल ब्रिकेट उद्योग
32. सिलाई उद्योग
33. हैंडलूम उद्योग
34. निजी अस्पताल, नर्सिंग होम्स एवं क्लीनिक्स
35. डिस्ट्रीलरीज
36. प्लास्टिक उद्योग
37. मिनरल ग्राईडिंग उद्योग
38. शीशा उद्योग (ग्लास शीट छोड़कर)
39. डेयरीज एवं पॉल्ट्री फार्म
40. स्वर्ण एवं रजत आभूषण तथा कलापूर्ण सामग्रियों के निर्माण
41. चर्म शोधनालय और चर्म विनिर्माणशालाओं
42. चावल मिल, आटा मिल एवं दाल मिल
43. तेल मिल
44. मुद्रणालय
45. किसी दुकान अथवा प्रतिष्ठान
46. पब्लिक मोटर ट्रांसपोर्ट
47. ऊनी कालीन बनाने वाले या शाल बुनने वाले
48. कोल्ड स्टोरेज
49. लघु अभियंत्रण उद्योग (स्वचालित दूकान को छोड़कर 50 से कम कामगार नियोजित करने वाले)
50. बांध निर्माण एवं सिंचाई कार्य
51. सड़कों के निर्माण या अनुरक्षण अथवा निर्माण कार्य
52. बेकरीज एवं कन्फेक्सीज
53. पकाई खाद्य वस्तु बेचने वाली दुकानें
54. होटल, भोजन गृह एवं रेस्तराओं
55. अबरख कार्य (खादान को छोड़कर)— कारखाना एवं प्रतिष्ठान
56. सिनेमा उद्योग
57. किसी भी विश्वविद्यालय शैक्षणिक शोध अथवा सांस्कृतिक संस्थान—
58. प्राईवेट सिक्यूरिटी एजेन्सी
59. रिफ्रेक्ट्रीज, फायर ब्रिक्स एवं सिरामिक्स उद्योग
60. पौट्रीज
61. ऑटोमोबाईल इंजिनियरिंग शौप्स
62. हार्ड कोक भट्टे
63. कुरियर सेवा
64. चूड़ा मिल
65. इलेक्ट्रोकास्टिंग एवं मेटल फर्निशिंग उद्योग

66. अभियंत्रण उद्योग (50से अधिक कामगार नियोजित करने वाले)
67. लोहा से छड़ पट्टी, एंगल आदि रोलिंग का कार्य
68. जूट उद्योग एवं अनुसंगिक कार्य
69. सूचना एवं प्रौद्योगिक उद्योग।

प्रस्ताव प्रारूप
अनुसूची-I

क्र० सं०	कामगारों की श्रेणी	वर्तमान में निर्धारित न्यूनतम मजदूरी की दरें	दिनांक 01 अप्रील 2011 तक देय परिवर्तनशील मंहगाई भत्ता	कुल (3+4)	15% पुनरीक्षण का लाभ	निर्धारित न्यूनतम मजदूरी की दरें (प्रस्तावित)
1	2	3	4	5	6	7
1	अकुशल	89.00	36.00	125.00	18.75=19.00	144.00 प्रतिदिन
2	अर्द्धकुशल	92.00	38.00	130.00	19.50=20.00	150.00 प्रतिदिन
3	कुशल	113.00	46.00	159.00	23.85=24.00	183.00 प्रतिदिन
4	अतिकुशल	138.00	56.00	194.00	29.10=29.00	223.00 प्रतिदिन
5	पर्यवेक्षीय/लिपिकीय	2553.00	1042.00	3595.00	539.25=539.00	4134.00 प्रतिमाह

टिप्पणी :- (क) न्यूनतम मजदूरी की उपर्युक्त दरें अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (1960-100) 4120.07 जो वर्ष, 2010 द्वितीय अर्द्धांश (जुलाई-दिसम्बर) का औसत है, पर आधारित है।

(ख) दिनांक 01 जून 2011 को बिहार न्यूनतम मजदूरी परामर्शदातृ पर्वद के परामर्श के आलोक में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में 40.83% शून्यीकरण के अतिरिक्त 15 % जोड़कर न्यूनतम मजदूरी निर्धारण किया गया है ताकि पुनरीक्षण के फलस्वरूप मजदूरी में वृद्धि वास्तविक रूप से परलक्षित हो।

(ग) न्यूनतम मजदूरी की दरों का दैनिक मजदूरी की दरों में तथा दैनिक मजदूरी की दरों का मासिक मजदूरी की दरों में 26 से गुणा करके किया जायेगा।

(घ) न्यूनतम मजदूरी की उपर्युक्त प्रस्तावित दरों में सात दिनों की अवधि में विश्राम के दिन के लिए कर्मचारियों को देय पारिश्रमिक शामिल है।

(च) साप्ताहिक विश्राम के दिन अथवा अन्य किसी दिन समयोपरि कार्य के लिए कामगार बिहार न्यूनतम मजदूरी नियमावली, 1951 के नियम-25 में विहित दर से समयोपरि काम का दो गुणा मजदूरी भुगतान पाने का हकदार होगा।

(छ) पुरुष या स्त्री कामगार एक ही काम या उसी प्रकार के काम के लिए समान दर पर मजदूरी पायेंगे।

(ज) यह भी निर्णय लिया गया है कि उपरोक्त सूची में 69 नियोजनों में कामगारों को पाँच कोटि में बाँट कर एक ही अधिसूचना निर्गत किया जाय।

स्पष्टीकरण :- (क) अकुशल काम से अभिप्रेत है जिसमें बहुत ही कम या कुछ भी नहीं कुशलता या अनुभव की आवश्यकता होती है बल्कि वह बहुत ही साधारण प्रकृति का होता है।

(ख) अर्द्धकुशल काम से अभिप्रेत है वह काम जिसमें काम के अनुभव के आधार पर कुछ डिग्री या कुशलता या क्षमता की आवश्यकता होती है और जो कुशल कर्मचारी के पर्यवेक्षण/मार्गदर्शन में किया जा सकता है तथा इसके अन्तर्गत अकुशल पर्यवेक्षण का काम भी है।

(ग) कुशल काम से अभिप्रेत है जिसमें कोई कार्य के अनुभव के आधार पर या किसी तकनीकी या किसी व्यवसायिक संस्थान में शिल्पी के रूप में प्रशिक्षण के आधार पर अर्जित कुशलता या क्षमता की आवश्यकता होती है तथा जिसके सम्पादन के लिए पहल और विवेक की आवश्यकता होती है।

(घ) अतिकुशल काम से अभिप्रेत है वह काम जिसमें सघन तकनीकी या व्यवसायिक प्रशिक्षण या वर्षों के व्यावहारिक कार्य के अनुभव के आधार पर अर्जित कुछ खास कार्यों के सम्पादन में पूर्तियों की डिग्री और पूर्ण क्षमता की आवश्यकता होती है और इन कार्यों के निष्पादन के लिए कामगारों में विशेष या विनिश्चयों के लिए पूरी जवाबदेही की आवश्यकता होती है।

(सं० 5/एम०डब्ल्यू०-403/07 श्र०सं०-1999)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
गरीब साहु,
सरकार के अपर सचिव।

15 जुलाई 2011

एस0 ओ0 170, एस0 ओ0 169, दिनांक 25 जुलाई 2011 का अंग्रेजी में निम्नलिखित अनुवाद बिहार राज्य के प्राधिकार से इसके द्वारा प्रकाशित किया जाता है, जो भारत संविधान के अनुच्छेद 348 के खंड (3) के अधीन प्राधिकृत पाठ समझा जायेगा।

(सं0 5/एम0डब्लू0-403/07 श्र0सं0-2000)

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,

गरीब साहु,

सरकार के अपर सचिव।

The 15th July 2011

S.O. 169, dated 25th July 2011—The following draft of proposal to revise the minimum rates of wages fixed in the State Government so many Notifications for certain categories of employees employed in the following Employment in the State of Bihar, Which the Governor of Bihar proposes to make in exercise of powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 3 of the said Act is hereby published as required by clause (b) of sub-section (1) of section-5 of the said Act for the information of persons likely to be effected thereby and notice is hereby given that the said proposal will be taken in to consideration after two months from the date of publication of this notification in the Bihar Gazette.

Any objection or suggestion which may be received from any person in respect of the said proposal on or before the date of expiry of the said period of two months shall be considered by the State Government.

Draft Proposal

Schedule

Sl. No. Name of Scheduled Employments

1. Co-operative Sector
2. Aluminum Industry
3. Khandsari industry
4. Chemical and Pharmaceutical Industry
5. Soap Making Industry
6. Cement Pre - stressed product Industry
7. Asbestos Cement Industry
8. GlassSheet Industry
9. Gun factories
10. Religious & Social Institution
11. Paper Industry
12. Laundry & washing
13. Hosieries Manufactory Corrugated Board, Straw
14. Manufacture of Sindur & Rang
15. Manufacture of Leather good
16. Wood works & furniture

17. Ice Cream and Cold Drinks
18. Petrol and Diesel Pump
19. Fisheries
20. Khadi and Village Industries
21. Private Ferries & LTC
22. Book binding Industry
23. Dafti Card Board, Mill Board Paper Board corrugated Board, Straw Board or Gatta Paper Boar Manufactory.
24. Electronics Industry
25. Cement Hume pipe, Electric pole and railway Sleeper manufactures Industry
26. Plywood Industries
27. Electric and other type of Bulbs and Florence tubes
28. Foundry Industries
29. Rubber and Rubber Compound Industry (on which manufacture
30. Biscuit Industry
31. Coal briquette Industry
32. Tailoring Industry
33. Handloom Industry
34. Private Hospitals, Nurshing Home and Clinic
35. Distilleries
36. Plastic Industries
37. Mineral Grinding Industry-
38. Glass Industries (excluding glass sheet)
39. Dairies and Poultry Farms
40. Manufacture of Gold, Silver Ornaments & article of artistic design.
41. Tanneries Leather Technology
42. Rice Mills, Flour Mills & Dal Mills
43. Oil Mills
44. Printing Press
45. Any Shops and establishment
46. Public Motor Transport
47. Any woollen carpet making or shawl weaving establishment.
48. Coal Storage

49. Minor Engineering Industry (excluding Automobile Engineering Shops less than 50 workers.)
50. Dam Construction & Irrigation
51. Construction or Manufactory of Road or in Building Construction
52. Bakeries and Confectioneries
53. Shops selling cooked food stuff
54. Hotels Eating House and Restaurants.
55. Mica work(Factory & Establishment excluding Mine)
56. Cinema industry
57. Any University, Educational, Research or cultural institutions.
58. Private Security
59. Refectories Fire Bricks& Ceramic Industry
60. Potteries
61. Automobile Engineering Shops
62. Hard Coke Industry
63. Currier Service
64. Frittered Rice
65. Electro Casting and Metal Furnishing
66. Engineering Industries (Employment more than 50 workers)
67. Rolling of Iron Rod, Plates, Angles etc.,works
68. Jute Industry & Similar works
69. Information Technology.

Draft Proposal
Schedule-I

Sl. No.	Categories of Workers	Existing Minimum Rates of Wages	V.D.A Payable on 01.04. 2011	Total (3+4)	15% Revision Benefit	Fixed Minimum Rates of Wages (Proposed)
1	2	3	4	5	6	7
1	Unskilled	89.00	36.00	125.00	18.75=19.00	144.00 per day
2	Semi skilled	92.00	38.00	130.00	19.50=20.00	150.00 per day
3	Skilled	113.00	46.00	159.00	23.85=24.00	183.00 per day
4	Highly Skilled	138.00	56.00	194.00	29.10=29.00	223.00 per day
5	Supervisory/ Clerical	2553.00	1042.00	3595.00	539.25=539.00	4134.00 per month

Note:—(a) The minimum rates of wages above are based on the All India Average Consumer Price Index Number (1960-100) 4120.07 which is the average of the indices of the Second half of the year, 2010 (July-December)

(b) Minimum wages has been revised on the suggestion made by the Minimum wage advisory board on 01st June 2011 by adding 15% additional after the 40.83% neutralization in the consumer price index, so that actual wages may increase.

(c) Conversion of the monthly rate of wages into daily rates of wages and vice-versa shall be worked out by dividing the monthly rates by 26 and by multiplying the daily rates by 26.

(d) The proposed rates of minimum wages above include of the remuneration payable to the employee in respect of the day of rest in every period of seven days.

(e) An employee shall for the work done on the weekly day of rest be entitled to overtime payment as the rate prescribed in rule 25 of the Bihar Minimum Wages Rule, 1951.

(f) Men and women workers shall get the same rates of wages for the same work or a similar nature.

(g) It has been also decided that the only one notification should be used by dividing employees of 69 employment under five categories.

Explanation :-

(a) "Unskilled work" means work which involve simple operations requiring little or no skill or experience on the job.

(b) "Semi-skilled" work means work which involves some degree of skill of competence acquired through experience on the job and which is capable of being performed under the supervision or guidance of a skilled employee and includes unskilled supervisory workers.

(c) "Skilled works" is one which involves skill or competence acquired through experience on the job or through training as an apprentice in technical or vocational institute and the performance of which calls for initiative and judgment.

(d) "Highly Skilled" work means work which call for a degree of perfection and full competence in performance of certain tasks acquired through intensive technical or professional training or practical works experience for long years and also requires of a work to assume full responsibility for the judgment or decisions involved in the execution of these tasks.

(No.-5/M.W-403/07 L & R—1999)

By order of the Governor of Bihar,

GARIB SAHU,

Additional Secretary to Government.

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,

बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।

बिहार गजट (असाधारण) 355-571+100-डी0टी0पी0।

Website: <http://egazette.bih.nic.in>